

प्रदेश का दूसरा मलिट कैफे कोरबा में हुआ शुरू

चर्चा में क्यों?

23 फरवरी, 2023 को कोरबा ज़िले के कलेक्टर संजीव झा और महापौर राज कशोर प्रसाद ने जनप्रतिनिधियों और नागरिकों की मौजूदगी में कोरबा शहर के नहिरिका में स्मृति उद्यान के सामने ज़िले का पहला और प्रदेश के दूसरे मलिट कैफे का शुभारंभ किया।

प्रमुख बिंदु

- इस अवसर पर महापौर राजकशोर प्रसाद ने कहा कि दुनियाभर में साल 2023 को इंटरनेशनल मलिट्स ईयर के रूप में मनाया जा रहा है। इसी कड़ी में कोरबा में भी अब ज़िले के पहले मलिट्स कैफे की शुरुआत हो गई है। इस कैफे में सेहत के लिये भरपूर मलिट्स के व्यंजन का स्वाद लोग ले सकेंगे।
- कलेक्टर संजीव झा ने बताया कि प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मंशा अनुसार कोरबा ज़िले में पहले मलिट्स कैफे का शुभारंभ किया गया है। यह कैफे रायगढ़ ज़िले के बाद प्रदेश का दूसरा मलिट कैफे है।
- इस मलिट्स कैफे में कोदो, कुटकी, रागी समेत अन्य लघु धान्य फसलों से निर्मित व्यंजन जैसे इडली, डोसा, पोहा, उपमा, भजिया खीर, हलवा, कुकीज, मोल्ड के साथ छत्तीसगढ़ के पारंपरिक व्यंजन लोगों के लिये उपलब्ध रहेंगे।
- कोरबा के पहले मलिट्स कैफे की शुरुआत ज़िला प्रशासन की पहल व सहयोग से हुआ है। इसका संचालन नव जागृता महिला स्व सहायता समूह द्वारा किया जाएगा। इससे महिला स्वरोजगार और उद्यमिता को बढ़ावा मिलेगा। इससे किसानों को भी फायदा भी होगा।
- उल्लेखनीय है कि मलिट्स के उत्पादन को बढ़ावा देने और इनसे मिलने वाले पोषक तत्वों के बारे में जन जागरूकता के लिये वर्ष 2023 को अंतर्राष्ट्रीय मलिट्स वर्ष घोषित किया गया है। मलिट्स के अंतर्गत मुख्य रूप से कोदो, कुटकी और रागी की खेती होती है। इसके उत्पादन को मलिट्स रहे प्रोत्साहन से किसानों का भी उत्साह बढ़ा है।